

PM SHRI Kendriya Vidyalaya was granted ATL Lab in the year 2019 under Atal Innovation Mission by NITI Aayog. School has since been actively trying to achieve the objectives stated under this mission.

ATL is a workspace where young minds can give shape to their ideas through hands on do-it-yourself mode; and learn innovation skills. Young children will get a chance to work with tools and equipment to understand the concepts of STEM (Science, Technology, Engineering and Math). ATL would contain educational and learning 'do it yourself' kits and equipment on – science, electronics, robotics, open-source microcontroller boards, sensors and 3D printers and computers.

### **ATL Objectives**

1. To create workspaces where young minds can learn innovation skills, sculpt ideas through hands-on activities, work and learn in a flexible environment.
2. To empower our youth with the 21 century skills of creativity, innovation, critical thinking, design thinking, social and cross-cultural collaboration, ethical leadership and so on.
3. To help build innovative solutions for India's unique problems and thereby support India's efforts to grow as a knowledge economy.

वर्ष 2019 में नीति आयोग द्वारा अटल इनोवेशन मिशन के तहत पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय को एटीएल लैब प्रदान की गई थी। तब से विद्यालय इस मिशन के तहत बताए गए उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। एटीएल एक ऐसा कार्यक्षेत्र है, जहाँ युवा दिमाग अपने विचारों को हाथों से करने के माध्यम से आकार दे सकते हैं; और नवाचार कौशल सीख सकते हैं। युवा बच्चों को STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) की अवधारणाओं को समझने के लिए उपकरणों और उपकरणों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। एटीएल में विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स, ओपन-सोर्स माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड, सेंसर और 3 डी प्रिंटर और कंप्यूटर पर शैक्षिक और सीखने वाले 'डू इट योरसेल्फ' किट और उपकरण शामिल होंगे।

### **ए टी एल उद्देश्य**

1. ऐसे कार्यक्षेत्र बनाना जहाँ युवा दिमाग नवाचार कौशल सीख सकें, हाथों से करने वाली गतिविधियों के माध्यम से विचारों को आकार दे सकें, लचीले वातावरण में काम कर सकें और सीख सकें।
2. हमारे युवाओं को रचनात्मकता, नवाचार, आलोचनात्मक सोच, डिजाइन सोच, सामाजिक और पार-सांस्कृतिक सहयोग, नैतिक नेतृत्व आदि के 21वीं सदी के कौशल से सशक्त बनाना।
3. भारत की अनूठी समस्याओं के लिए अभिनव समाधान बनाने में मदद करना और इस तरह ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित होने के भारत के प्रयासों का समर्थन करना।



